

भोलीसी सुरत माथेपे चंदा देखो चमकता जाए

भोलीसी सुरत माथेपे चंदा देखो चमकता जाए
सदा समाधि में है मगन कही भोला नजर ना आए
जब भक्तो को पड़े जरूरत खुद को रोक ना पाए

सागर मंथन के अवसर पर शिवजी विष पी जाए
पीकर विष की गगरी भोला नीलकंठ कहलाये
कोई भी मांगे बुंद तो ये सारा सागर दिखलाए
शिव की लीला बडी अलग है कोई समझ ना पाए

भोलीसी सुरत माथेपे चंदा देखो चमकता जाए
सदा समाधि में मगन कही भोला नजर ना आए
जब भक्तो को को पड़े जरूरत खुद को रोक ना पाए

शिव अकाम गुण के है धाम शिव का ही नाम संयम
शिवलीला तो है अगाध तोड़े करमो का बंधन
शिव शक्ति से अलग नहीं है संसार का कण कण
शिव का नाम लिए मन मे चलता हूँ मैं तो हरदम

भोलीसी सुरत माथेपे चंदा देखो चमकता जाए
सदा समाधि में मगन कही भोला नजर ना आए
जब भक्तोको को पड़े जरूरत खुद को रोक ना पाए

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21039/title/bholi-si-surat-mathe-pe-chanda-dekho-chamkta-jaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |